



ARJUN BATCH

CLASS 12th | GEOGRAPHY

खनिज तथा ऊर्जा संसाधन

अध्याय-5 | भाग-4

एकदम BASIC से!



खनिज

- ① प्राकृतिक पदार्थ
- +
- ② रासायनिक व भौतिक स्वरूप
- +
- ③ कार्बनिक / अकार्बनिक होना।

खनिज

धात्विक खनिज

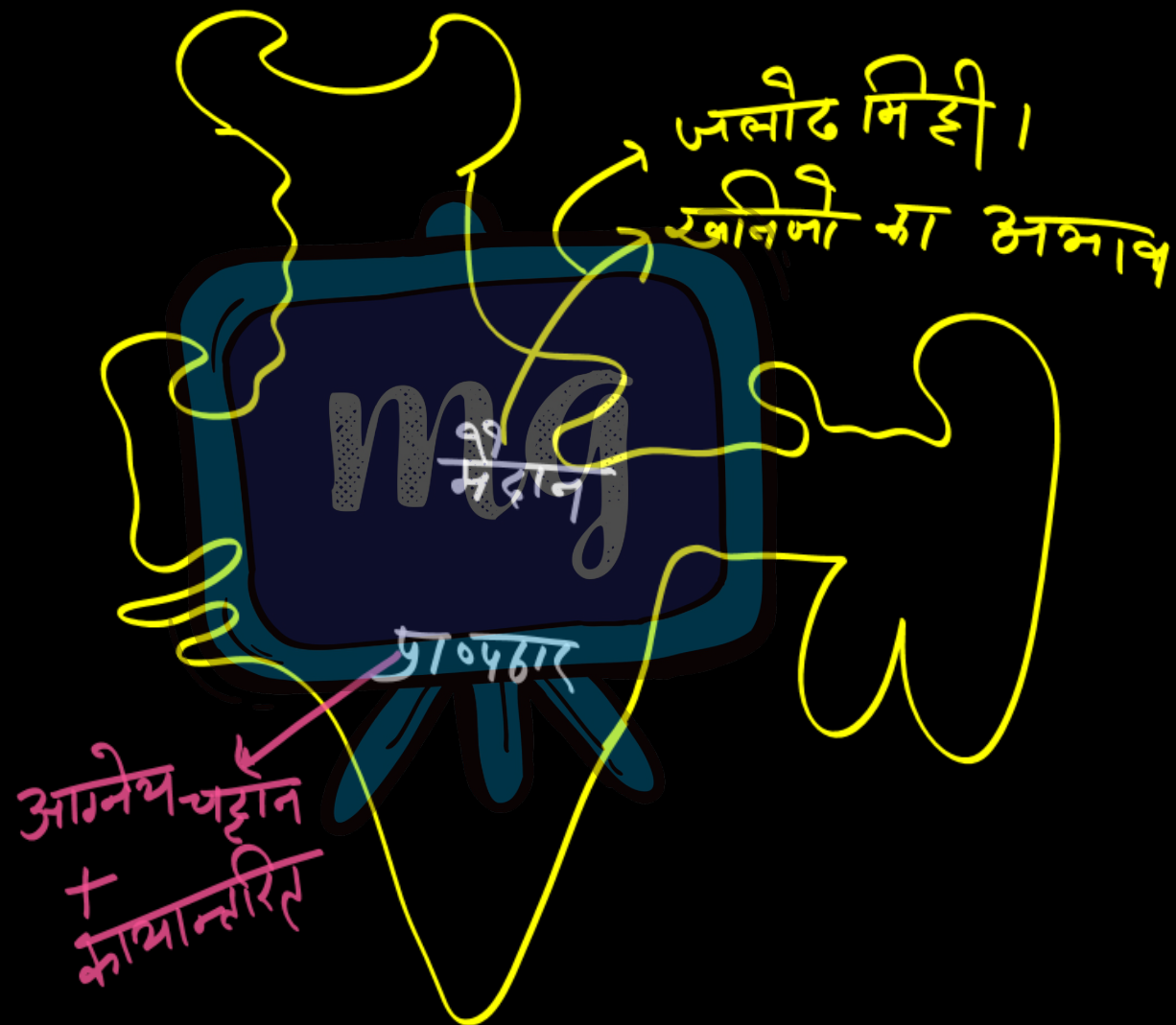
अधातु खनिज

लौह धात्विक
EX- लौहा अयस्क

अलौह धात्विक
EX- स्वर्ण

ईंधन खनिज
कार्बनिक
EX- कोयला
पेट्रोल-डीजल

अन्य खनिज
EX- ग्रेनाइट
ग्रेफाइट



आज क्या पढ़ेंगे ?

1 लौह अयस्क

2 मैंगनीज़

लौह अयस्क

- ❖ भारत में लौह अयस्क के प्रचुर संसाधन
- ❖ एशिया के विशालतम लौह अयस्क आरक्षित
- ❖ भारत में अयस्क के दो प्रमुख प्रकार -
 - हेमेटाइट तथा मैग्नेटाइट

प्रकार - ५

(१) हेमेटाइट (२) मैग्नेटाइट

(३) लिग्मोनाइट (४) सिडेराइट

एशिया महादीप
→ प्रचुर मात्रा में

हेमेटाइट

मैग्नेटाइट

H.M
लौहा

→ लौहा प्रचुर मात्रा में



नोट

लौह अयस्क की खदानें देश के उत्तर-पूर्वी पठार
प्रदेश में कोयला क्षेत्रों के निकट स्थित हैं जो इसके
लिए लाभप्रद है।

उत्तर-पूर्वी
कोयला क्षेत्र
खदान
लौह अयस्क

उत्तर-पूर्वी
लौह अयस्क

लौह अयस्क के आरक्षित भंडार

❖ लगभग 95 प्रतिशत भाग

ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, कर्नाटक,
गोआ, आंध्र प्रदेश तथा तमिलनाडु राज्यों में

द० पश्चिमी.



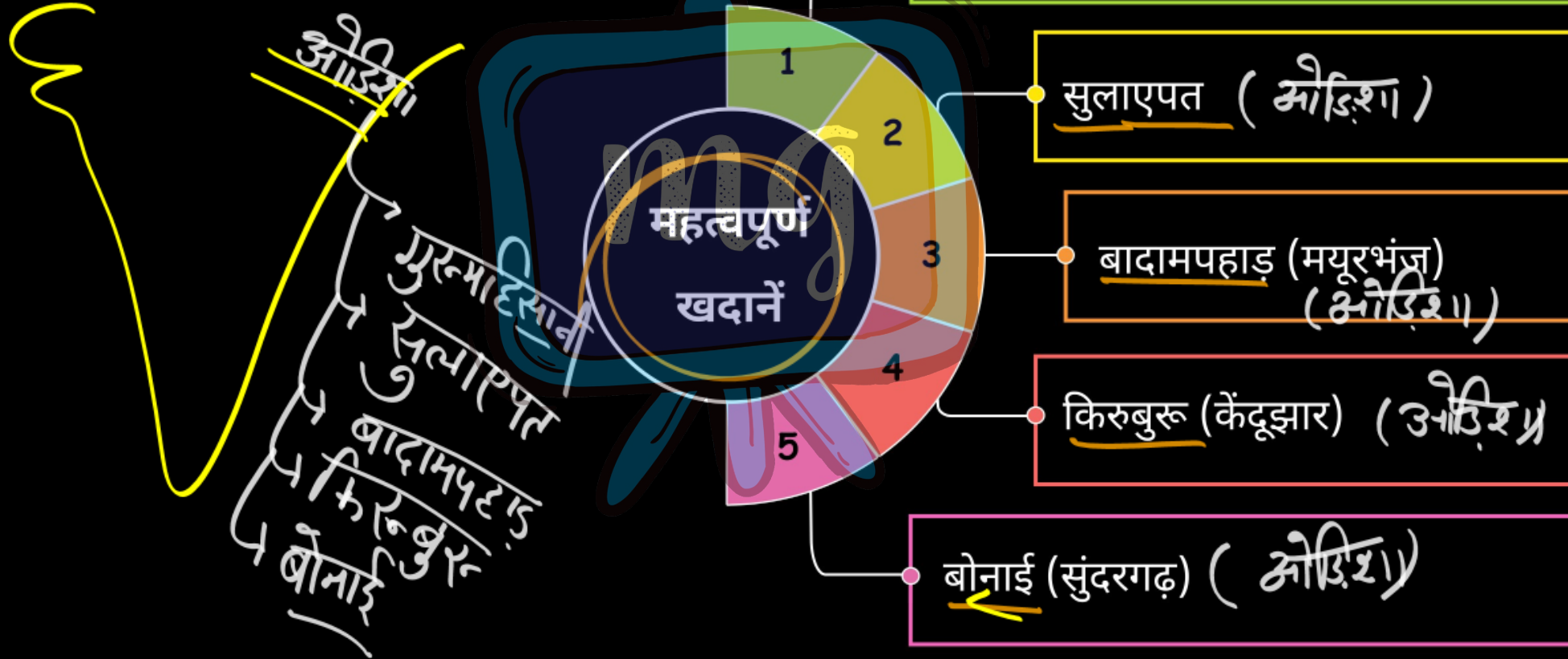
❖ ओडिशा में लौह अयस्क

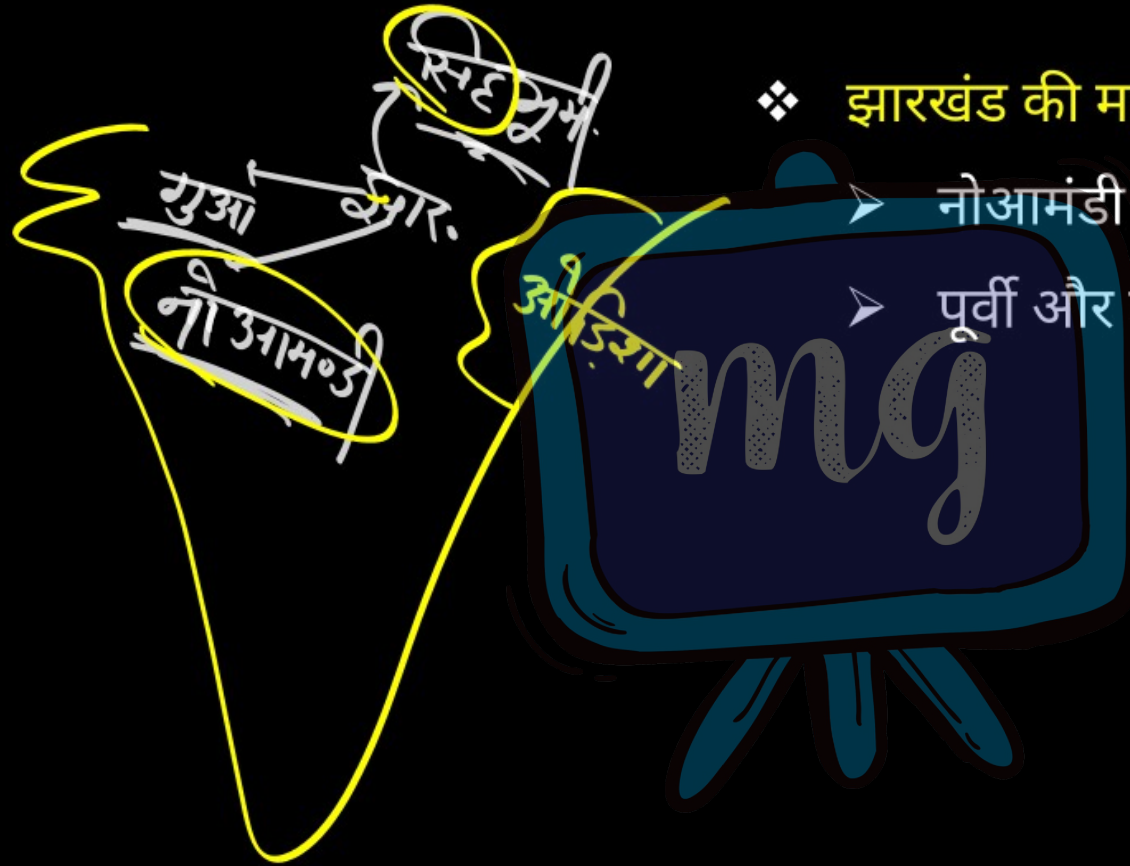
➤ सुंदरगढ़, मयूरभंज, झार स्थित पहाड़ी
श्रृंखलाओं में

ओडिशा

सुंदरगढ़
मयूरभंज (बादाम पहाड़)
झार

मयूर सुंदर झार
↓
अ उड़ गया





❖ झारखंड की महत्वपूर्ण खदानें

- नोआमंडी और गुआ
- पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम जिलों में स्थित



नोट

- लौह अयस्क पट्टी और आगे दुर्ग, दांतेवाड़ा और बैलाडीला तक विस्तृत हैं।
- डल्ली तथा दुर्ग में राजहरा की खदानें देश की लौह अयस्क की महत्वपूर्ण खदानें हैं।

कर्नाटक में लौह अयस्क के निक्षेप

- ❖ बल्लारि : संदूर-होसपेटे क्षेत्र में
- ❖ चिकमगलूरु : बाबा बूदन पहाड़ियाँ, कुद्रेमुख
- ❖ अन्य क्षेत्र : शिवमोगा, चित्रदुर्ग और तुमकुरु

कर्नाटक

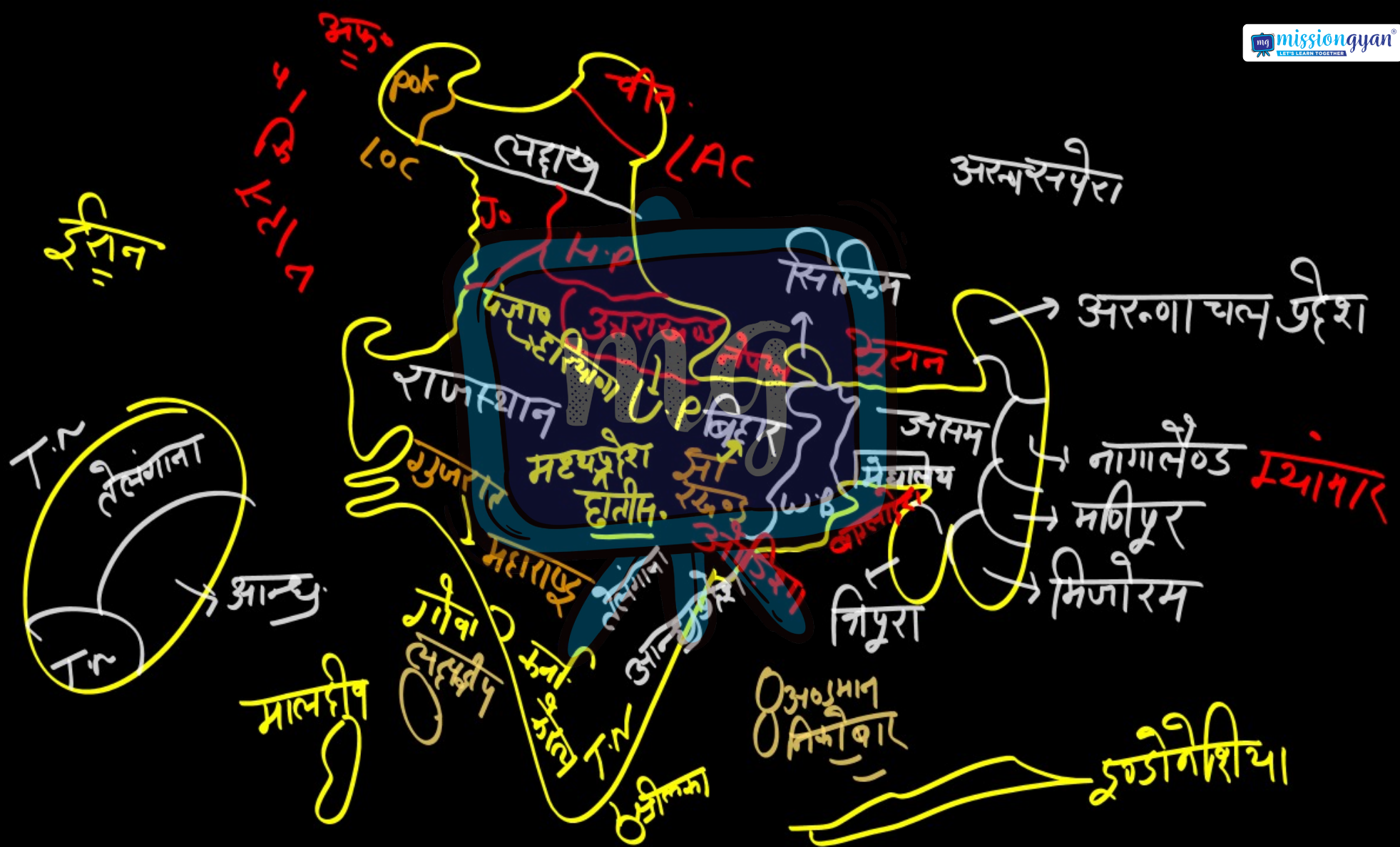
बल्लारि

चिकमगलूरु

चित्रदुर्ग

तुमकुरु

शिवमोगा



महाराष्ट्र में लौह अयस्क के निक्षेप

चंद्रपुर

भंडारा

रत्नागिरि

